सुविचार

अपने दिन की शुरुआत एक सकारात्मक मुस्कान और नई उम्मीदों के साथ करें।

दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 34 | पंचकूला। बुधवार, 11 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

पीएम सूर्य घर योजना : अब तक 25 लाख से ज्यादा रूफटॉप सोलर सिस्टम लगे

नई दिल्ली, 10 मार्च। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देश भर में अब तक 25 लाख से ज्यादा रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि 5 मार्च 2026 तक कुल 25,02,217 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत अब तक 14,585.29 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में 7,822.92 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने बताया कि इस योजना के तहत राष्ट्रीय पोर्टल पर अब तक 63,26,125 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 25 लाख से अधिक घरों में सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। सरकार ने यह योजना 2024 में शुरू की थी। यह एक डिमांड-ड्रिवन योजना है, जिसके तहत देश के सभी ऐसे घरेलू उपभोक्ता, जिनके पास स्थानीय बिजली वितरण कंपनी (डिस्कॉम) से जुड़ा बिजली कनेक्शन है, वे राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर अपने घर की छत पर सोलर सिस्टम लगवा सकते हैं।

देश में 10, 20 और 50 रुपए के नोटों की कोई कमी नहीं : केंद्र

नई दिल्ली, 10 मार्च। देश में करेंसी सर्कुलेशन में 10,20 और 50 रुपए के नोटों की कोई कमी नहीं है। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को संसद में दी गई। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्य सभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि आरबीआई के अनुसार, कम मूल्य के नोट परंपरागत रूप से एटीएम के माध्यम से नहीं दिए जाते रहे हैं। उन्होंने सदन को सूचित किया, कम मूल्यवर्ग के नोटों को छोटे मूल्य के नोट वितरकों के माध्यम से वितरित करने के लिए एक पायलय प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। सरकार के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (26 फरवरी तक) में केंद्रीय बैंक द्वारा 10 रुपए के 439.40 करोड़ नोट, 20 रुपए के 193.70 करोड़ नोट और 50 रुपए के 130.30 करोड़ नोटों की आपूर्ति की गई है। पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) में 10 रुपए के 180 करोड़ नोट, 20 रुपए के 150 करोड़ नोट और 50 रुपए के 300 करोड़ नोटों की आपूर्ति की गई थी।

ईरान बोला–एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे, अमेरिका ने फिर दी धमकी

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी

पंचकूला ऑब्जर्वर

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान में 11वें दिन जंग जारी रही और दोनों ओर से हमले होते रहे। इस बीच ईरान ने कहा है कि वह एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी है।

इजराइली मीडिया वाइनेट की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि कुछ देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन देशों को पहले इजराइल और अमेरिका के राजदूतों को अपने देश से निकालना होगा।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है।

हालांकि अमेरिकी चैनल सीएनएन ने कहा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर सिक्योरिटी टैक्स यानी सुरक्षा शुल्क लगाने की योजना बना रहा है, खासकर उन जहाजों पर जो अमेरिका के सहयोगी देशों के हैं।

दावा- अमेरिका-इजराइल हमलों में 193 बच्चों की मौत

ईरान सरकार की प्रवक्ता फातिमा मोहाजेरानी ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों में अब तक 193 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे कम उम्र की पीड़ित आठ महीने की एक बच्ची है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार मोहाजेरानी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमलों में चार महीने का एक नवजात बच्चा भी घायल हुआ है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इन हमलों में स्वास्थ्य क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचा है।

ईरान युद्ध से रूस को सबसे ज्यादा फायदा : ईयू

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से अब तक सबसे ज्यादा फायदा रूस को हुआ है। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के राजदूतों को संबोधित करते हुए कोस्टा ने कहा कि ऊर्जा की कीमतें बढ़ने से रूस को अधिक आय मिल रही है, जिससे वह यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध को वित्तीय मदद दे सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते संघर्ष के कारण कई सैन्य संसाधन भी दूसरी दिशा में जा रहे हैं, जो यूक्रेन की मदद के लिए इस्तेमाल हो सकते थे। कोस्टा के अनुसार इस युद्ध के कारण वैश्विक ध्यान भी यूक्रेन से हटकर ईरान पर केंद्रित हो गया है, जिसका लाभ रूस को मिल रहा है।

ट्रम्प की धमकी- होर्मुज स्ट्रेट बंद किया तो 20 गुना ताकत से हमला करेंगे

ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आवाजाही रोकने की कोशिश की तो अमेरिका उस पर अब तक से 20 गुना ज्यादा ताकत से हमला करेगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर ईरान तेल के प्रवाह को रोकने के लिए कोई कदम उठाता है, तो अमेरिका ऐसे ठिकानों को निशाना बनाएगा जिन्हें आसानी से नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे ईरान के लिए दोबारा देश को खड़ा करना लगभग असंभव हो जाएगा।

590 करोड़ गबन मामला

प्रियंका और अनुज एक दिन के पुलिस रिमांड पर ACB अब तक 10 आरोपियों को कर चुकी गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के करीब 590 करोड़ रुपये के गबन मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (ष्टक्क) की कार्रवाई लगातार जारी है। इस मामले में हाल ही में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों प्रियंका और अनुज को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

बताया जा रहा है कि प्रियंका ढ्ढष्ठस्नष्ट बैंक की मौजूदा कर्मचारी है, जबकि अनुज बैंक का पूर्व कर्मचारी है। एंटी करप्शन ब्यूरो अब एक दिन के रिमांड के दौरान दोनों से मामले से जुड़े दस्तावेजों और लेनदेन को लेकर गहन पूछताछ करेगी।

इससे पहले ष्टक्क ने इस मामले में सीमा धीमान और अरुण शर्मा को भी गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों को रिमांड खत्म होने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा इस घोटाले में अभी तक कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसी का कहना है कि हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े करोड़ों रुपये के गबन का यह मामला काफी बड़ा है और इसकी जांच लगातार आगे बढ़ रही है।

ACB अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान कई वित्तीय लेनदेन और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय में इस मामले से जुड़े और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं, जिसके बाद और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। फिलहाल सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच में और कितने लोग सामने आते हैं और एंटी करप्शन ब्यूरो इस घोटाले की परतें किस तरह खोलती है।

आईडीएफसी बैंक ने लौटाए 645 करोड़ रुपए

पंचकूला। चंडीगढ़ सेक्टर-32 की आईडीएफसी शाखा से जुड़े मामले में बैंक ने प्रारंभिक अनुमान से अधिक राशि का भुगतान करते हुए कुल 645 करोड़ रुपये लौटा दिए हैं। बैंक के अनुसार यह भुगतान उसी एक घटना से जुड़े दावों के आधार पर किया गया है और अब इस मामले में कोई अन्य दावा लंबित नहीं है। बैंक ने बताया कि पहले इस मामले में लगभग 590 करोड़ रुपये के मूलधन का अनुमान लगाया गया था, लेकिन प्राप्त दावों के आधार पर कुल 645 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा। इस प्रकार प्रारंभिक अनुमान से 55 करोड़ रुपये अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। बैंक ने स्पष्ट किया कि यह सभी दावे चंडीगढ़ की उसी शाखा में हुई एक ही घटना से संबंधित हैं और यह कोई नया मामला नहीं है। बैंक ने अपने सिद्धांतों के अनुरूप प्रभावित ग्राहकों को उनका पैसा लौटा दिया है। साथ ही बैंक ने कहा कि इस मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और उनसे बैंक की बकाया राशि वसूलने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों का होगा सत्यापन

नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वार्डों में बैठकों का आयोजन

पंचकूला। हरियाणा नगर पालिका भागीदारी अधिनियम, 2008 के प्रावधानों के अंतर्गत नगर निगम पंचकूला के विभिन्न वार्डों में एरिया सभा बैठकों का आयोजन दिनांक 11 मार्च 2026 को किया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा विभिन्न सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन करना है। बैठकों में मुख्य रूप से वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन तथा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों का सत्यापन किया जाएगा तथा एरिया सभा की अनुमति से अन्य स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

बैठकों का आयोजन निम्नानुसार निर्धारित समय एवं स्थान पर किया जाएगा

प्रातः 10:00 बजे
- वार्ड 1 - एरिया सभा 1-1 व 1-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर स्नठष्ट-4, पंचकूला
- वार्ड 2 - एरिया सभा 2-1 व 2-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर स्नठष्ट-5, पंचकूला
- वार्ड 3 - एरिया सभा 3-1 - पार्क, डीसी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास, सेक्टर 7, पंचकूला
- वार्ड 3 - एरिया सभा 3-2 - पार्क, हाउस नं. 225 के पास, सेक्टर 8, पंचकूला
- वार्ड 4 - एरिया सभा 4-2 - पार्क, हाउस नं. 74/107 के पास, सेक्टर 10, पंचकूला

प्रातः 11:30 बजे
- वार्ड 5 - एरिया सभा 5-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 15, पंचकूला
- वार्ड 6 - एरिया सभा 6-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 17, पंचकूला
- वार्ड 7 - एरिया सभा 7-1 व 7-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 17, पंचकूला
- वार्ड 8 - एरिया सभा 8-1 - पब्लिक पार्क, गांव बुडनपुर, पंचकूला
- वार्ड 9 - एरिया सभा 9-1 - ष्ट्ढष्ठ पार्क, सेक्टर 19, पंचकूला
- वार्ड 10 - एरिया सभा 10-1 व 10-2 - पार्क, हाउस नं. 235 के पास, किसान भवन के नजदीक, सेक्टर 14, पंचकूला

दोपहर 1:00 बजे
- वार्ड 11 - एरिया सभा 11-1 व 11-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 12, पंचकूला
- वार्ड 12 - एरिया सभा 12-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 11, पंचकूला
- वार्ड 12 - एरिया सभा 12-2 - पार्क, हाउस नं. 221 के पास, सेक्टर 4
- वार्ड 13 - एरिया सभा 13-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 4, पंचकूला
- वार्ड 13 - एरिया सभा 13-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 21 (ओल्ड), पंचकूला
- वार्ड 14 - एरिया सभा 14-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 21 (न्यू), पंचकूला
- वार्ड 14 - एरिया सभा 14-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 20, पंचकूला

दोपहर 2:30 बजे
- वार्ड 15 - एरिया सभा 15-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 20, पंचकूला
- वार्ड 16 - एरिया सभा 16-2 - गेट नं. 4, क्क्चष्ठ क्र.ऋकार्यालय के पास, खरक मंगोली, पंचकूला
- वार्ड 17 - एरिया सभा 17-1 - बाबा बालकनाथ मंदिर, गांव खरक मंगोली,
- वार्ड 17 - एरिया सभा 17-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 25, पंचकूला
- वार्ड 18 - एरिया सभा 18-1 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 26, पंचकूला
- वार्ड 18 - एरिया सभा 18-2 - कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 28, पंचकूला
- वार्ड 19 - एरिया सभा 19-1 - कम्युनिटी सेंटर, गांव मनकिया, पंचकूला

नगर निगम पंचकूला द्वारा संबंधित एरिया सभा के सभी मतदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक में भाग लें, ताकि योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर प्रभावी चर्चा की जा सके। यदि किसी कारणवश दिनांक 11 मार्च 2026 को संबंधित वार्ड क्षेत्र के सदस्यों की आवश्यक गणपूर्ति (क्रोरम) अर्थात कम से कम 10त्न सदस्यों की उपस्थिति पूर्ण नहीं होती है, तो उक्त बैठक को स्थगित करते हुए दिनांक 13 मार्च 2026 को उसी स्थान, उसी समय तथा उसी एजेंडा के अनुसार पुनः आयोजित किया जाएगा।

14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

चंडीगढ़। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़, अरुण कुमार अग्रवाल, ने आज सुनील कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चंडीगढ़ के साथ आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत, जो कि 14 मार्च 2026 को आयोजित की जा रही है, के संबंध में जानकारी साझा की। अरुण कुमार अग्रवाल ने लोक अदालतों के महत्व और लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लोक अदालत विवादों के शीघ्र, सुलभ और कम खर्च में सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति से अपने मामलों का निपटारा कर सकते हैं, जिससे उनका समय और मुकदमेबाजी पर होने वाला खर्च दोनों बचता है। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय सिविल न्यायालय के डिक्री के समान कानूनी मान्यता रखते हैं।

मोबाइल छीनने का आरोपी 24 घंटे में काबू

चंडीगढ़। यूटी पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने के मामले में आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर मामले को सुलझा लिया है।पकड़े गए आरोपी की पहचान सेक्टर 45 बुडैल निवासी सुमित उर्फ गोलू के रूप में हुई है।पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया।अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार पता चला कि थाना 34 पुलिस को गुप्त सूचना और टेक्निकल तकनीक के जरिए पता चला था कि एरिया से मोबाइल फोन स्नेचिंग करने वाला आरोपी सक्रिय है।मामले को गंभीरता से लेते हुए और यूटी पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते थाना 34 के प्रभारी इंस्पेक्टर संतिंद्र कुमार और उनकी टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर मामले को सुलझा लिया। शिकायतकर्ता अशोक कुमार ने पुलिस को बताया था कि वह पेशे से एडवोकेट है। 8 मार्च को करीब साढ़े 8 बजे वह गायों को चपाती खिलाने के लिए सेक्टर 45 स्थित गौशाला गए थे।जब गौशाला से सेक्टर 45सी/डी की तरफ स्लिप रोड पर जा रहे थे।इसी दौरान एक युवक ने उन्हें धक्का दिया।और पीड़ित शिकायतकर्ता के दाहिने हाथ से उनका मोबाइल फोन उक्त आरोपी छीन कर मौके से फरार हो गया था।

श्री दुर्गा माता मंदिर में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। सेक्टर-7 स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में चल रही राम कथा के दूसरे दिन कथा वाचक पंडित गणेशानंद मिश्रा जी महाराज ने शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि माता सती भगवान राम को पहचान नहीं पाईं और उनकी परीक्षा लेने स्वयं चली गईं, लेकिन माता पार्वती ने राम को जानने के लिए स्वयं परीक्षा नहीं ली बल्कि जगतगुरु भगवान महादेव से पूछा कि मैं राम को जानना चाहती हूं, वे कौन हैं।

कथा वाचक ने बताया कि रामचरितमानस में राम कथा से पहले गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने शिव कथा का वर्णन किया है। श्रीरामचरितमानस ग्रंथ एक अद्भुत सरोवर की तरह है, जिसके चार घाट हैं। इनमें ज्ञान घाट पर स्वयं भगवान महादेव विराजमान हैं, जो विवाह के पश्चात माता पार्वती को राम कथा सुना रहे हैं।

इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा श्रवण किया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्य अशोक जिंदल, रोहतास गुप्ता, देवेंद्र सिंह सैनी, डॉ. प्रकाश चंद गुप्ता, अरुण नाकरा, ओपी गोयल, लाजपत राय बंसल, श्याम लाल मित्तल, सतीश कुमार गर्ग, सुनील गुप्ता, अंकुर बंसल, विनोद कुमार अग्रवाल, रमेश गोयल और सुभाष जैन सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्म

माता मनसा देवी मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का तीसरा दिन

अच्छे विचार और संगत से ही जीवन सुधरता है : साध्वी शक्तिपुरी

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। माता मनसा देवी मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी शक्तिपुरी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को जीवन और कर्म के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान, गुरु और भक्तों ने हमेशा यही बताया है कि मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है।

अक्सर कई लोग यह शिकायत करते हैं कि उन्होंने जीवन में कोई बुरा कार्य नहीं किया, फिर भी उनके साथ बुरा क्यों हो रहा है। कुछ लोग कहते हैं कि उन्होंने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दिए, अच्छा पालन-पोषण किया, फिर भी उनके बच्चे कुसंगति में चले गए। साध्वी शक्तिपुरी जी ने कहा कि यह संसार कर्मभूमि है और यहां हर व्यक्ति को अपने प्रारब्ध का फल भोगना पड़ता है। कई लोग पूछते हैं कि भगवान ने हमें इतने दुख या बीमारियां क्यों दीं, जबकि हमने कुछ गलत नहीं किया। उन्होंने बताया कि यह भी जीवन की एक परीक्षा होती है, जिसे धैर्य और सकारात्मक ऊर्जा से पार करना होता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लानी चाहिए। कई लोग समस्याओं से बचने के लिए गलत रास्ते अपनाते हैं, लेकिन इससे समस्याएं समाप्त नहीं होतीं।

यदि व्यक्ति प्रतिदिन मंत्र जाप करे, सात्विक भोजन करे, अच्छे विचार अपनाए और अच्छी संगत में रहे, तो वह अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकता है। साध्वी जी ने कहा कि जीवन में गंदगी को पकड़ना है या अच्छाई को अपनाना है, यह पूरी तरह मनुष्य पर निर्भर करता है। अच्छे कर्म और अच्छे विचार ही जीवन को श्रेष्ठ बनाते हैं। इस धार्मिक आयोजन में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य रविंद्र पुरी जी महाराज की पावन सन्निधि भी प्राप्त हो रही है।

कार्यक्रम की आयोजक पिंकी दनोदा, धर्मपत्नी ओमप्रकाश दनोदा हैं। श्रीमद् भागवत कथा 14 मार्च तक जारी रहेगी। इस अवसर पर हरियाणा सेन सभा पंचकूला के प्रधान राजवीर सिंह पवार, सुनीता देवी, रामकुमार काकरान, जय भगवान, सूबेदार ईश्वर सिंह, धर्मवीर चौहान, भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष नरेश कुमार सेन, सीमा देवी, संतोष देवी तथा सेक्टर-11 पंचकूला की पूजा इसरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका से व्यापार समझौता काले कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक: सीएम मान

कृषि बाजार को मोदी सरकार विदेशी ताकतों के रहमो-करम पर छोड़ने का लाइसेंस दे रही है

- पंजाब के आरडीएफ, जीएसटी और एनएचएम फंड रोककर केंद्र किसान आंदोलन का बदला ले रहा है
- अमेरिकी सोयाबीन, मक्का और कपास सस्ते आए तो भारतीय किसान कैसे करेंगे मुकाबला

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च 2026। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के कृषि क्षेत्र के लिए तीन विवादित कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक साबित हो सकता है, जिनके कारण ऐतिहासिक किसान आंदोलन हुआ था।

पंजाब विधानसभा में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी सब्सिडी वाले अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाजार खोलना पंजाब सहित पूरे देश के किसानों के लिए गंभीर चुनौती बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह समझौता लागू हुआ तो भारतीय किसानों को अमेरिकी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि यह समझौता भारत की कृषि संप्रभुता के लिए बड़ा खतरा है और इससे देश का कृषि क्षेत्र विदेशी ताकतों के प्रभाव में आ सकता है। संभावित नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए पंजाब विधानसभा ने सर्वसम्मति से इसके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया। सदन को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समझौता केंद्र सरकार द्वारा पहले लाए गए तीन कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में प्रवेश कर देश को आर्थिक रूप से लूटा था, उसी तरह अब एक तरह की ÷वेस्ट इंडिया कंपनी÷ भारत की कृषि व्यवस्था में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि इस प्रस्तावित समझौते के बारे में न तो राज्यों से सलाह ली गई और न ही उन्हें इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इससे यह सवाल उठता है कि क्या देश के फैसले अब व्हाइट हाउस के प्रभाव में लिए जा रहे हैं।

मझौते के कृषि प्रभावों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डीडीजीएस और सोयाबीन तेल जैसे फीड विकल्पों का सस्ता आयात मक्का और सोयाबीन की कीमतों को गिरा सकता है, जिससे पंजाब में फसल विविधीकरण के प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका से कपास का आयात भी पंजाब के मालवा क्षेत्र के कपास किसानों को प्रभावित कर सकता है। वर्तमान में पंजाब में लगभग 1.25 लाख हेक्टेयर में मक्का और करीब 2.5 लाख एकड़ में कपास की खेती होती है।

जीएमओ और कीटों के फैलने का खतरा: मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि गैर-शुल्क (नॉन-टैरिफ) शर्तों में ढील देने से जीएमओ सामग्री के प्रवेश, नए कीटों और फसल रोगों के फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है, जो पंजाब के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर चुनौती होगी।

केंद्र सरकार पर भी साधा निशाना: मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पंजाब के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ), जीएसटी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) से जुड़े फंड अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार सरकारी इमारतों और शहरों के नाम बदलने के बजाय लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान दे।

लोकतांत्रिक अधिकारों की बात: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है और सरकार के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति को देशविरोधी नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने किसान यूनियनों, कृषि विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों से इस समझौते के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील करते हुए कहा कि भारतीय कृषि के भविष्य की रक्षा करना समय की मांग है।

खेतों के आकार और सब्सिडी में बड़ा अंतर

भगवंत सिंह मान ने कहा कि अमेरिका में औसत किसान के पास लगभग 500 एकड़ जमीन होती है और वहां किसानों को भारतीय किसानों की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक सब्सिडी मिलती है। इसके विपरीत पंजाब के अधिकांश किसानों के पास केवल दो से ढाई एकड़ भूमि होती है, जिससे उनके लिए अमेरिकी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल होगा।

बीज पर पेटेंट का खतरा: मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्धिक संपदा (आईपीआर) से जुड़े प्रावधानों के कारण किसान अगली फसल के लिए बीज नहीं बचा सकेंगे, क्योंकि बीज पेटेंट सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। इससे किसान बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भर हो सकते हैं।

कांग्रेसी विधायक सुखपाल सिंह खैरा को पंजाब की महिलाओं का अपमान करने के लिए तुरंत बर्खास्त किया जाए : चीमा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब की महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली अपमानजनक टिप्पणियों के लिए भुलत्थ से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा की कड़े शब्दों में निंदा की। पंजाब विधानसभा की कार्यवाही के दौरान बोलते हुए और इसके बाद विधानसभा के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए हरपाल सिंह चीमा ने मांग की कि कांग्रेस हाईकमान द्वारा सुखपाल सिंह खैरा को उनके इस निंदनीय व्यवहार और पंजाब की माताओं एवं बेटियों के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणियों के लिए तुरंत पार्टी से बाहर किया जाना चाहिए।

सुखपाल सिंह खैरा द्वारा यह कहे जाने कि 'मावां धियां सत्कार योजना' के तहत 1000 रुपये की घोषणा का जश्न मनाने वाली महिलाएं बहादुरों को कैसे जन्म दे सकती हैं, के विरोध में वित्त मंत्री ने उनकी कड़ी आलोचना की।

विधायक खैरा की इस टिप्पणी का जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि एक राजनेता, जो उस प्रदेश से कई बार चुना गया है जहां श्री गुरु नानक देव जी ने ÷सो क्यों मंदा आखिए जितु जंमहि राजान÷ (जिस स्त्री से राजा जन्म लेते हैं, उसे बुरा कहना ठीक नहीं) का संदेश दिया, वह राज्य की माताओं और बेटियों का इस तरह

अपमान कैसे कर सकता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसा घिनौना बयान उस पंजाब की धरती के लिए हैरान करने वाला और अस्वीकार्य है, जिसने हमेशा महिलाओं के सम्मान और गरिमा को बनाए रखा है। उन्होंने आगे कहा कि एक अनुभवी राजनेता द्वारा महिलाओं के खिलाफ ऐसा बयान देना उसकी घटिया और निम्न मानसिकता को दर्शाता है और उन मूल्यों का भी अपमान करता है जिन पर हमारा समाज आधारित है।

विधानसभा के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब कांग्रेस नेतृत्व अपनी भाषा पर नियंत्रण और राजनीतिक समझ पूरी तरह खो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भी पहले ही कांग्रेस की राज्य इकाई के नेतृत्व को अपने व्यवहार पर ध्यान देने की चेतावनी दे चुके हैं। पंजाब सरकार की महिला-समर्थक पहलों के प्रभाव को उजागर करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने हाल ही में हुई बजट चर्चा और 'मावां धियां सत्कार योजना' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह योजना उन महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिन्हें पहले अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी अपने पिता, भाइयों या पतियों पर निर्भर रहना पड़ता था।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि उनकी कैबिनेट सहयोगी डॉ. बलजीत कौर ने बजट चर्चा के दौरान स्पष्ट किया था कि सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1000 रुपये और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये की वित्तीय सहायता उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मान को और मजबूत करेगी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कांग्रेस विधायक का ऐसा बयान पूरी तरह उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस तथ्य को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा कि 'आप' सरकार ने शासन के मात्र चार वर्षों के भीतर अपनी पांच प्रमुख गारंटियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

जीएमसीएच-32 के इमरजेंसी व ट्रॉमा सेंटर का गृह एवं स्वास्थ्य सचिव ने किया निरीक्षण

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। यूटी चंडीगढ़ के गृह एवं स्वास्थ्य सचिव मंदीप सिंह बराड़ ने मंगलवार को सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर का दौरा कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सचिव ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल में उपलब्ध उपचार और सेवाओं को लेकर प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। इसके बाद उन्होंने जीएमसीएच-32 के वरिष्ठ अधिकारियों और डॉक्टरों के साथ बैठक कर संस्थान की कार्यप्रणाली, मौजूदा चुनौतियों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के संभावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

मंदीप सिंह बराड़ ने डॉक्टरों और

प्रशासनिक अधिकारियों से मिले सुझावों का स्वागत करते हुए अस्पताल की कार्यकुशलता और सेवा वितरण को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर फाइलों के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी जा रही है और फिलहाल किसी भी फाइल को लंबित नहीं रखा गया है, जिससे निर्णय प्रक्रिया और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होना चाहिए, ताकि जीएमसीएच-32 की प्रतिष्ठा एक अग्रणी चिकित्सा संस्थान के रूप में और मजबूत हो सके। सचिव ने बताया कि हाल ही में संसाधनों के पुनर्मूल्यांकन और पुनः आवंटन से संस्थान की कार्यकुशलता में सुधार आया है और उपलब्ध बुनियादी ढांचे तथा मानव संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों की ग्राउंड-लेवल उपस्थिति बनाए रखने पर भी जोर दिया।

वित्त मंत्री को 'बंधुआ मजदूर' कहना पूरे दलित समुदाय का अपमान: बैंस

चंडीगढ़, 10 मार्च। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैहरा पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी कांग्रेस पार्टी की जागीरदारी और जातिवादी मानसिकता को उजागर करती है। पंजाब विधानसभा में सदन को संबोधित करते हुए बैंस ने कहा, चार वर्षों से पंजाब के लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करने वाले पेशे से वकील, संगरूर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान , विपक्ष के पूर्व नेता और दलित भाई चारे से आने वाले पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को 'बंधुआ मजदूर' कहना केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे दलित समुदाय और वकील समुदाय का अपमान है। यह इस धरती के हर उस बेटे और बेटी का अपमान है, जो अमीर पृष्ठभूमि के बिना अपनी मेहनत और संघर्ष से गरीबी से उठकर आगे बढ़े हैं।

इंडिया इंटरनेशनल डिस्प्यूटस वीक

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, सीमा-पार व्यापारिक विवादों, अवसंरचना मध्यस्थता व कॉरपोरेट गवर्नेंस में ई एस जी की बढ़ती भूमिका पर चर्चा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। चंडीगढ़ में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल डिस्प्यूटस वीक के चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, सीमा-पार व्यापारिक विवादों, अवसंरचना से जुड़े मध्यस्थता मामलों तथा कॉरपोरेट गवर्नेंस में पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक (ई एस जी) ढांचे की बढ़ती भूमिका पर व्यापक चर्चा की गई।

जस्टिस अर्जन कुमार सिकरी , जो सिंगापुर इंटरनेशनल कमर्शियल कोर्ट के अंतरराष्ट्रीय न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया के पूर्व न्यायाधीश हैं, ने इस अवसर पर कहा कि भारत को तेजी से बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक माहौल में अंतरराष्ट्रीय विवाद समाधान के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक ÷सुरक्षित

बंदरगाह÷ के रूप में स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कानूनी पेशेवरों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे-जैसे पूंजी, तकनीक और व्यापार सीमाओं के पार विस्तार कर रहे हैं, वैसे-वैसे विवाद भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में निवेशकों के विश्वास और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए विश्वसनीय, निष्पक्ष और प्रभावी विवाद समाधान तंत्र अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से मध्यस्थता और सुलह-समाधान अपनी लचीलापन, गोपनीयता और पक्षकारों की स्वायत्तता के कारण सीमा-पार व्यापारिक विवादों के समाधान के पसंदीदा साधन रहे हैं। हालांकि आधुनिक मध्यस्थता को बढ़ती लागत, देरी और निष्पक्षता से जुड़ी चिंताओं के कारण वैश्विक स्तर पर आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक अदालतों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है, क्योंकि वे मध्यस्थता की लचीलापन को न्यायिक प्रणाली की सुरक्षा और अधिकार के साथ जोड़ती हैं।

उन्होंने बताया कि ऐसे मंच अक्सर अंतरराष्ट्रीय पीठों की अनुमति देते हैं, विदेशी वकीलों को पेश होने की अनुमति देते हैं और पक्षकारों द्वारा चुने गए कानूनों को लागू करते हैं। साथ ही ये संरचित केस प्रबंधन प्रणालियों के माध्यम से वाणिज्यिक न्यायशास्त्र के विकास में भी योगदान देते हैं। कार्यक्रम के दौरान कई पैनल चर्चाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय विवाद समाधान और वैश्विक व्यापार शासन में उभरती प्रवृत्तियों का विश्लेषण किया गया। सीमा-पार व्यापार और निवेश विवादों पर केंद्रित एक पैनल ने विकसित हो रही वैश्विक व्यापार व्यवस्था तथा निवेशक-राज्य मध्यस्थता से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की।

सुखना कैचमेंट एरिया में अवैध निर्माणों पर हाईकोर्ट सख्त, सुनवाई 13 मार्च तक टली

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। चंडीगढ़ के सुखना कैचमेंट एरिया में हुए अवैध निर्माणों को लेकर संकट गहराता जा रहा है। इस मामले में मंगलवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन अगली सुनवाई के लिए 13 मार्च की तारीख तय की गई है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद इस मामले की सुनवाई तेज गति से आगे बढ़ रही है। सुखना झील के आसपास का यह क्षेत्र इको-सेंसिटिव जोन में आता है और यह सुखना वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के पास स्थित है। लंबे समय से यहां किए गए अवैध निर्माण विवादों में हैं। पर्यावरण प्रेमियों की याचिकाओं और शिकायतों के बाद अदालतें इस मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार सख्त रुख अपना रही हैं।

हाईकोर्ट ने 2 मार्च 2020 को अपने आदेश में कहा था कि सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे के अनुसार सुखना कैचमेंट एरिया में बने सभी अवैध और अनधिकृत निर्माण तीन महीने के भीतर गिरा दिए जाएं। इसके साथ ही पंजाब और हरियाणा सरकारों को 100-100 करोड़ रुपए का जुर्माना केंद्र सरकार को देने के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण इस आदेश पर कार्रवाई रुक गई थी।

इसके बाद 13 फरवरी 2026 को इस मामले में अवमानना और रिव्यू याचिकाओं पर फिर से सुनवाई शुरू हुई, जो अब तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे पहले जून-जुलाई 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली क्षेत्र के लक्कड़पुर-खोरी इलाके में भी अवैध निर्माणों को हटाने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने वहां 10 हजार से अधिक अवैध मकानों को गिराने और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ और आसपास के बिल्डर माफिया पर भी कड़ी नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सवाल उठाया कि सुखना झील को क्यों नष्ट होने दिया जा रहा है और कहा कि झील को और कितना सुखाओगे।कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों के बाद प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। विवादित कॉलोनियों में नए बिजली मीटर लगाने और किसी भी सरकारी सुविधा देने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

इस कार्रवाई से सुखना कैचमेंट एरिया में मकान या प्लॉट खरीदने वाले कई मध्यम वर्गीय परिवारों में भी चिंता बढ़ गई है।

एसोसिएशन की जायज़ मांगों को जल्द पूरा किया जाएगा: कुलतार सिंह संधवां

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ . बलबीर सिंह ने आज पंजाब विधानसभा में इलेक्ट्रोहोम्योपैथी डॉक्टरज़ एसोसिएशन पंजाब के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से बैठक की। यह प्रतिनिधिमंडल एसोसिएशन के प्रदेश प्रधान डॉ. प्रीतम सिंह छोक्कर की अगुवाई में विधानसभा के विशेष दौरे पर पहुंचा था। एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. मनजीत सिंह ढिल्लों और सरंक्षक डॉ. तरसेम सिंह के विशेष प्रयासों से यह बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और स्वास्थ्य मंत्री डॉ . बलबीर सिंह के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान एसोसिएशन के सचिव डॉ. गगन अरोड़ा ने इलेक्ट्रोहोम्योपैथी से संबंधित 'स्पैगाइरिक' दवाइयों के निर्माण लाइसेंस को नियमित करने और जारी करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस पद्धति को कानूनी मान्यता देने से राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा सुधार संभव है।

अमेरिका से व्यापार समझौता से पंजाब की कृषि को नुकसान पहुंचा सकता है : भुल्लर

- अमेरिका से आने वाले सब्सिडी वाले सस्ते कृषि उत्पाद पंजाब के किसानों को भारी नुकसान में धकेल सकते हैं

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। पंजाब के परिवहन और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में चेतावनी दी कि प्रस्तावित भारत÷अमेरिका व्यापार समझौता पंजाब की कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका से सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों के बड़े पैमाने पर आयात की अनुमति दी गई तो इससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था कमजोर हो सकती है और किसानों सहित कृषि से जुड़े कई अन्य वर्गों पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पंजाब ने ऐतिहासिक रूप से देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों ने अपनी

अथक मेहनत और बलिदान से देश को अनाज उपलब्ध कराने में बड़ा योगदान दिया है। लेकिन प्रस्तावित समझौता पंजाब की कृषि अर्थव्यवस्था की स्थिरता को कमजोर कर सकता है, यदि अमेरिका से सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों के बड़े पैमाने पर आयात की अनुमति दी जाती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब में गेहूं की खेती न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली के तहत होती है, जहां मजदूरी, खाद, बिजली, सिंचाई और अन्य इनपुट सहित उत्पादन लागत काफी अधिक होती है। भारत में गेहूं की प्रभावी खरीद लागत लगभग 2600ङ्क2700 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि अमेरिका में उच्च स्तर के मशीनीकरण और किसानों को मिलने वाली भारी सब्सिडी के कारण वहां उत्पादित गेहूं अपेक्षाकृत कम कीमत पर वैश्विक बाजार में उपलब्ध हो सकता है।

लालजीत सिंह भुल्लर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह कीमतों का अंतर पंजाब के किसानों को गंभीर नुकसान की स्थिति में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि इसके प्रभाव केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आढ़तियों, व्यापारियों, दुकानदारों, ट्रांसपोर्टरों और अन्य हितधारकों पर भी पड़ेंगे, जिनकी आजीविका कृषि अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। पंजाब की अर्थव्यवस्था अभी भी बड़े पैमाने पर कृषि पर आधारित है और किसानों को कमजोर करने वाली कोई भी नीति समाज के कई वर्गों को प्रभावित करेगी। उन्होंने डेयरी क्षेत्र पर संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि डेयरी खेती राज्य के कई किसान परिवारों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण सहायक स्रोत है। यदि अमेरिका से सस्ते डेयरी उत्पाद भारतीय बाजार में आने लगे तो इससे स्थानीय डेयरी किसानों को नुकसान हो सकता है और पंजाब की ग्रामीण आधारित अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ कमजोर पड़ सकता है। पंजाब के मंत्री ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों के विस्तार को बढ़ावा देने वाली नीतियां धीरे-धीरे छोटे और मध्यम किसानों को हाशिये पर धकेल सकती हैं।

महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने पर विधायक खैहरा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 10 मार्च। पंजाब विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के विधायक सुखपाल सिंह खैहरा द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर आज कड़ी निंदा की गई। पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि ÷एक हजार रुपये के पीछे गिद्धा डालने वाली औरतों से कहाँ से पैदा होंगे सूरमे।÷ इस टिप्पणी को महिलाओं, विशेषकर दलित महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताते हुए विधानसभा में निंदा प्रस्ताव पेश किया गया।

इस प्रस्ताव में कहा गया कि उक्त पोस्ट सीधे तौर पर महिलाओं और खासकर दलित महिलाओं का अपमान है। इसके साथ ही यह पवित्र सदन की गरिमा को भी ठेस पहुँचाने वाली है। इसलिए सदन ने सर्वसम्मति से स सुखपाल सिंह खैहरा द्वारा महिलाओं और दलित महिलाओं के प्रति की गई टिप्पणियों तथा सदन के अपमान की घोर निंदा की। सबसे पहले वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस संवेदनशील मामले को स्पीकर के ध्यान में लाया और खैहरा को सार्वजनिक जीवन में मर्यादा बनाए रखने की नसीहत दी।

सदन द्वारा पारित इस प्रस्ताव को कैबिनेट मंत्रियों अमन अरो?ा , लाल चंद काटरुचक्क, हरभजन सिंह ईटीओ और तरुनप्रीत सिंह सौंद के अलावा लगभग सभी महिला विधायकों का समर्थन मिला। इनमें प्रमुख रूप से इंदरजीत कौर मान, डॉ . अमनदीप कौर , अनमोल गगन मान , नरिंदर कौर भराज और जीवनजोत कौर शामिल रहीं।

बंगाल में परिवर्तन की लहर तेज होगी : नायब सिंह सैनी

सैनी ने पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के कुल्पी में परिवर्तन यात्रा के दौरान जनसभा को संबोधित किया

- सैनी ने मोदी के नेतृत्व में विकास आधारित राजनीति और पारदर्शी शासन पर जोर दिया
- स्वामी विवेकानंद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुभाष चंद्र बोस और बंकिमचंद्र चटर्जी को याद किया
- मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता भय, भ्रष्टाचार और हिंसा से मुक्ति चाहती है

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ/कोलकाता. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वर्णिम और विकसित बंगाल बनाने के लिए जनता परिवर्तन संकल्प को मजबूत करने का कार्य करेगी। उन्होंने पारदर्शी शासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास आधारित राजनीति के महत्व पर बल दिया। मुख्यमंत्री मंगलवार को बंगाल के 24 परगना के कुल्पी में परिवर्तन यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया और विश्वास जताया कि देश में विकास और परिवर्तन की भावना लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि से बंगाल के लोगों के बीच आने का मौका मिला है जिस भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल मछली पालक किसानों की धरा है। यहां के लोगों ने इतिहास व संस्कृति को बदलने का कार्य किया। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की भावना पूरे देश में फैली है। बंगाल की माटी के लोग हमारे लिए गर्व और गौरव हैं। इस धरा ने स्वामी विवेकानन्द, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, बंकिमचन्द्र चटर्जी जैसे महान सपूत दिए हैं। यहां के रणबांकूरों ने देश की आजादी की लड़ाई को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि बंगाल की भूमि ने वंदे मातरण का मंत्र देकर देश में राष्ट्रवाद की ज्योत जलाई जो आज भी जग रही है।

बंगाल की जनता बदलाव और विकास के साथ-भय, भ्रष्टाचार से चाहती है मुक्ति: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बंगाल की लचर पचर, भ्रष्टाचार में फंसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए परिवर्ततन की पुकार है। बंगाल की जनता बदलाव और विकास के साथ चलकर भय और भ्रष्टाचार से मुक्ति चाहती है। इसी उत्साह एवं जोश के साथ भारी संख्या में जनसभा में आना इस बात का संकेत है कि बंगाल अब परिवर्तन की राह पर गति से आगे बढ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 परगना की खास पहचान है कि यहां जनता मेहनती है, समुद्र के किनारे बसे मछुआरे किसान मेहनत से जीवन यापन कर रहे हैं। किसानों को सुविधाएं व बाजार नहीं मिल रही, युवा बेरोजगार हैं और भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व हिंसा का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं व चक्रवात से होने वाले नुकसान की भरपाई भी नहीं की। नाले टूट गए, खेती बह गई, उनका पैसा भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। बंगाल का भ्रष्टाचार किसी से छुपा हुआ नहीं है। सरकार जनता के साथ बहुत अन्याय कर रही है।

बंगाल का युवा अन्याय की दीवार और भ्रष्टाचारी सरकार को गिराने के लिए कृतसकंल्प: मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस धरती के महापुरुषों ने देश चलाने का काम किया और आजादी के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उनके लोगों को यह दिन देखने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यहां का युवा अन्याय की दीवार और भ्रष्टाचारी सरकार को गिराने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार ने काम नहीं किया, बल्कि बंगाल से उद्योग उजाड़ने का काम किया है।

जनता में आक्रोश है। बंगाल में सरकार ने घुसपेठियों के लिए सुरक्षित जगह बनाई है। सरकार की गलत नीतियों के कारण लोकतंत्र खतरे में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। हरियाणा में 5 लाख रुपए तक का ईलाज अस्पतालों में मुफ्त किया जा रहा है। अब तक 27 लाख परिवारों ने इसका लाभ उठाया है जिसके 450 करोड़ रुपए केन्द्र सरकार ने दिए हैं, लेकिन बंगाल सरकार ने इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुँचाया। उन्होंने चिंता जताई कि कई पात्र लोगों तक इस योजना का लाभ प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से नहीं पहुंच पाया। जबकि हरियाणा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

भारत की चतुर्थ आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व स्तर पर बढ़ी साख

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व तरक्की कर रहा है और भारत की विश्व स्तर पर चतुर्थ आर्थिक शक्ति के रूप में साख बढी है। यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच और विकास की राजनीति से ही सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का काम कर रही है। जब तक नारी सशक्त नहीं होती तब तक देश पूर्ण रूप से तरक्की नहीं कर सकता। इसलिए सरकार ने तीन लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का निर्णय लिया है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपए की राशि दी जा रही है। अब तक 5 किस्तों में 750 करोड़ रुपए की राशि महिलाओं को दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में मुख्यमंत्री महिला होने पर भी वहां की महिलाएं सुरक्षित नहीं और उन पर अत्याचार हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर देश की राष्ट्रपति का बंगाल की भूमि पर अपमान हुआ है। आगामी चुनाव में जनता विशेषकर महिलाएं बंगाल सरकार को सबक सिखाने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा छोटा राज्य होने के बावजूद डबल इंजन सरकार के मॉडल के तहत विकास और जनकल्याण के कई महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की नीयत साफ और नीतियां जनहित में बनाई जाती हैं, तो उनका लाभ सीधे जनता तक पहुंचता है।

उद्योगों के लिए ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के रोजगार और उद्योगों के लिए ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए, जिसमें उद्योगों को बढ़ावा मिले और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों। उन्होंने कहा कि विकास केंद्रित शासन से उद्योगों का पलायन रुकता है और युवाओं को अपने ही राज्य में बेहतर रोजगार के अवसर मिलते हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन और पारदर्शिता की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि देश की जनता विकास, सुशासन और जवाबदेही चाहती है। उन्होंने लोगों से विकास और प्रगति की राजनीति का समर्थन करने का आह्वान करते हुए एक मजबूत व समृद्ध बंगाल के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में पहुँचने पर ग्रामीणों ने फूलों की वर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

एक नजर

बिमल प्रसाद जैन का 95वां जन्मदिन मनाया

रोहतक. एल.पी.एस. ग्रुप के संस्थापक स्व. सेठ बिमल प्रसाद जैन का 95वां जन्मदिन दिल्ली रोड स्थित बी.पी. जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर के प्रांगण में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। एल.पी.एस. बौसार्ड के मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि इस अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों और संत-महात्माओं ने उपस्थित होकर सेठ जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में महामण्डलेश्वर बाबा कपिल पुरी जी, महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद जी महाराज, महामण्डलेश्वर बाबा काली दास जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी परमानंद जी महाराज, महामण्डलेश्वर बाबा कर्णपुरी जी महाराज, बाबा सुखा शाह, स्वामी शंकरानंद जी तथा ब्रह्मकुमारी आश्रम से बहन रक्षा सहित अनेक संत-महात्माओं का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस दौरान एल.पी.एस. बौसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन, समाजसेवी उद्योगपति विजय जैन, समाजसेवी उद्योगपति राज शर्मा, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, सुधीर जैन तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने स्व. सेठ बिमल प्रसाद जैन की प्रतिमा पर गुलाब की मालाएं अर्पित कर दीप प्रज्वलित किए। सेठ जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया तथा सामाजिक संस्थाओं और आश्रमों में रह रहे लोगों को भोजन करवाया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर और नेत्र जांच शिविर भी लगाए गए। इस अवसर पर रीटा जैन, दीपा जैन, संध्या जैन, समृद्धि जैन, उमा शर्मा, सिद्धार्थ जैन, अमित जैन, कर्ण राज शर्मा, कोमल शर्मा, चारुल जैन, याशिका जैन, शिम्मी जैन, राजीव जैन, शैलेंद्र जैन, बलजीत जैन, अनिल लोहिया, सुशील जैन, विजय तायल, विनय गोयल, सन्नी निझावन, नरेशानंद, सुभाष तायल, योगेश अरोड़ा, रमेश रोहिल्ला, शीतल, आयुषी जैन सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को हरियाणवी संस्कृति से कराया रूबरू

नरवाना. के एम राजकू महाविद्यालय नरवाना में केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली तथा हिंदी शोधार्थी संघ भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 6 दिवसीय नव लेखन शिविर के दूसरे दिन अहिंदी भाषी क्षेत्र के विद्यार्थियों को हरियाणा की स्कूली शिक्षा व संस्कृति से परिचित करवाने के उद्देश्य से केरल से आए विद्यार्थियों को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखा का भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सज्जन कुमार ने की। केरल से आए विद्यार्थियों और स्टाफ का विद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य बलजीत गोयत और समस्त स्टाफ सदस्यों ने हरियाणवी संस्कृति के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सुलेख प्रशिक्षक सुरेश चौहान राष्ट्रपति अवार्डी ने विद्यार्थियों को वर्णमाला की रचनाओं से अवगत करवाते हुए बताया कि वर्णों का निर्माण किस प्रकार किया जाता है। उन्होंने सुलेख की बारीकियों को भी सरल ढंग से समझाया। दोपहर के तीसरे सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसर डॉ. रामनरेश मिश्र ने विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान की बारीकियों से अवगत करवाते हुए व्याकरण, उच्चारण और मात्राओं का ज्ञान दिया, जिससे अहिंदी भाषी क्षेत्र के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा को समझने में मदद मिली। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से आई विषय विशेषज्ञ डॉ. गीतू धवन ने विद्यार्थियों से कहानी लेखन का अभ्यास करवाया और कहानी के मौलिक तत्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित सभी विषय विशेषज्ञों का विशेष रूप से धन्यवाद किया। इस अवसर पर राजेश श्योकंद, कविता, सुमन, डॉ. सुनील, उषा शर्मा, रूबी और समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

घर में घुसकर हमले के मामले में दो काबू

टोहाना. पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट व जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस मामले में पुलिस पहले भी एक आरोपी को काबू कर चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस संबंध में थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि दिनांक 18 फरवरी 2026 को शाम करीब 3:58 बजे उसके पड़ोसी रवि, मनी पुत्र धर्मपाल, चिराग पुत्र रवि, जुजु, वजीर, जोगिंद्र पुत्र वजीर तथा अन्य अज्ञात व्यक्ति आपसी रंजिश के चलते जबरन उसके घर में घुस आए और उसके तथा उसके परिवार के साथ गाली-गलौच करने लगे। इसके बाद आरोपियों ने लाठी-डंडों, ईंटों और कांच की बीयर की बोतलों से हमला कर उसके व उसके बेटे अंकुश के साथ मारपीट की। शिकायतकर्ता के अनुसार हमले के दौरान आरोपी चिराग ने कांच की बोतल व ईंट से उसके और उसके बेटे के सिर पर वार किया, जिससे दोनों घायल हो गए। घटना में अंकुश के सिर में चोटें आईं और उसे 8-9 टांके लगे। घायल अवस्था में दोनों को उपचार के लिए सामान्य अस्पताल टोहाना ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें आगे उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज, हिसार रेफर कर दिया।

कांग्रेस शासन में चलती थी पर्ची-खर्ची, भाजपा सरकार में मैरिट पर मिल रही है नौकरियां: बड़ौली

पंचकूला ऑब्जर्वर

सोनीपत. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने यूपीएससी परीक्षा में 268वां रैंक प्राप्त करने वाली इशिता शर्मा को उनके निवास स्थान गोहाना पहुंचकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री बड़ौली ने इशिता शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इशिता शर्मा की यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है तथा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस मौके पर भाजपा गोहाना के जिलाध्यक्ष बृजेंद्र मलिक भी उपस्थित रहे।मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि खेलों के साथ-साथ हमारे युवा यूपीएससी स्तर की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर हरियाणा का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि हरियाणा से काफी संख्या में युवक और युवतियों ने यूपीएससी परीक्षा पास की है। बड़ौली ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षा में सफल हुए प्रदेश के सभी युवक व युवतियां बधाई के पात्र हैं।मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी और नायब सरकार ने देश व प्रदेश में पारदर्शी व्यवस्था लागू की है। 2014 से पहले नौकरियों के लिए युवा मंत्रियों व विधायकों के घरों के चक्कर लगाते रहते थे। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से 2014 में भाजपा की सरकार बनी। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने बिना पर्ची और बिना खर्ची के युवाओं को सरकारी नौकरी देने का सिस्टम लागू किया है। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के युवाओं का विश्वास भाजपा सरकार में लगातार बढ़ रहा है। युवा अब मैरिट के आधार पर नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा चुनाव में 26 हजार युवाओं को ज्वाइनिंग लैटर देने का वादा किया था। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया। श्री बड़ौली ने यूपीएससी परीक्षा पास करने वाले सभी युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे युवाओं को प्रेरित करें और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को साकार करने में अपनी प्रतिभा का योगदान दें।

करोड़ों खर्च कर घटिया सामग्री व बिना लेवल की बनाई जा रही कंक्रीट की गलियां

टोहाना. नगर परिषद टोहाना में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। जिसको लेकर नगर परिषद के चेयरमैन व पार्षद ने कई बार अपनी ही सरकार के विरुद्ध आवाज उठाई है नगर परिषद में बजट आने से पहले ही यह तय कर दिया जाता है कि यह काम ठेकेदार कौन सा करेगा और ठेकेदार ज्यादा माइंस पर गलियों के ठेके लेने के बाद भी हर कार्य में सामग्री की गुणवत्ता आदि मेटेरियल कम डालकर पैसा कमाने के चक्कर में घटिया निर्माण गलियों का कर जाता है और जो भुगतना टोहाना निवासियों को पड़ता है। नगर परिषद के अधिकारी आमजन की समस्या या कार्यों को दर किनारे कर सिर्फ ठेकेदारों की के ही कार्यों में दिलचस्पी से लगे रहते हैं जितने भी कार्य नगर परिषद के वार्डों में चल रहे हैं सभी कार्यों की सैंपल की जांच एन आई आई टी दिल्ली से करवाई जानी चाहिए तब पता लगेगा कि कौन कौन से ठेकेदार ने माइंस में ठेके लेकर सामग्री की क्वालिटी से कितना समझौता किया है बनने वाली कंक्रीट की गलियां बनते ही टूटती देखी जा सकती हैं लेवल की बात करें तो हर गलियों में सिबरेज का पानी नहर का रूप धारण किए हुए है ठेकेदार ही खुद कनिष्ठ अभियंता छद्म बने हुए लेबर से काम करवाते दिखाई देते हैं नगर परिषद के के कनिष्ठ अभियंता छद्म शहर में चल रहे कार्य पर जाना तो दूर वह मटेरियल तक देखना उचित नहीं समझते सिर्फ कार्य का बिल ही बनाने में दिलचस्पी दिखाते हैं और देखे जा सकते हैं टेंडर प्रक्रिया से दूर सिर्फ कोटेशन वर्क से ही ज्यादा बिल नगर परिषद में बनाए जा रहे हैं कई लोग दबी आवाज में यह भी कहते दिखाई देते हैं कि पुराने अधिकारियों द्वारा किए गए घोटाले सामने आने के डर से ही नये अधिकारी टोहाना का चार्ज लेने से भी डरते हैं।

5 दिवसीय श्रीमद भगवत गीता के 15वें अध्याय पर कार्यक्रम का समापन आज

कुरुक्षेत्र. देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से निरंतर गीता पर आधारित सत्संग, कथा, गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता व भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन कुरुक्षेत्र के श्री जयराम विद्यापीठ में होता रहता है। देश के विभिन्न राज्यों से विद्वान गीता पर शोध के लिए श्री जयराम विद्यापीठ में पहुंचते हैं। हर वर्ष जयराम विद्यापीठ में गीता जयंती महोत्सव का भव्य कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र होता है। श्री जयराम संस्थाओं के मीडिया प्रभारी राजेश सिंगला ने बताया कि इसी क्रम में विद्यापीठ में चिन्मय वानप्रस्थ संस्थान नई दिल्ली के सदस्यों के द्वारा ब्रह्मचारी सोहम चैतन्य का गीता के 15 अध्याय का पांच दिवसीय रिट्रीट कार्यक्रम चल रहा है। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम नई दिल्ली से लगभग 40 श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा से आयोजित किया गया है।

अवैध फैक्ट्रियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क : एसडीएम

सफीदों. सफीदों उपमंडल में अवैध रूप से संचालित हो रही फैक्ट्रियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई लगातार जारी है। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा के निर्देश पर गठित प्रशासनिक टीम द्वारा विभिन्न शहरी तथा ग्रामिण क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान प्रशासन की बिना अनुमति के चल रही कई फैक्ट्रियों को सील किया गया तथा बंद मिलने वाली कारखानों फैक्टरियों पर नोटिस भी चस्पा किए गए। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि उपमंडल क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित औद्योगिक इकाइयों की लगातार जांच की जा रही है। गत दिनों आगजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम का गठन किया है, जिसमें नगर परिषद, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निकाय,तहसीलदार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। यह टीम विभिन्न स्थानों पर जाकर फैक्ट्रियों की जांच कर रही है।

मंगलवार को निरीक्षण के दौरान जिन फैक्ट्रियों के पास आवश्यक अनुमति, लाइसेंस या सुरक्षा मानकों से संबंधित दस्तावेज नहीं पाए गए, उन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए ऐसी 2 फैक्टरियों को सील कर दिया गया। इसके साथ ही बंद फैक्ट्री परिसर के बाहर नोटिस चस्पा कर संचालकों को निर्धारित समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले तीन अवैध फैक्टरियों को पहले ही सील कर दिया था। अब तक कुल पांच फैक्टरियों को सील किया जा चुका है और तीन को नोटिस जारी किये गए है।

एसडीएम ने कहा कि अवैध रूप से संचालित फैक्ट्रियां न केवल कानून का उल्लंघन करती हैं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण और सुरक्षा संबंधी खतरे भी पैदा करती हैं।

शीतला सप्तमी को हजारों लोगों ने की मां शीतला की आराधना

पिहोवा. शीतला सप्तमी के पावन पर्व पर आज हजारों लोगों ने शीतला मंदिर में जाकर मां शीतला की आराधना की तथा अपने परिवार की खुशहाली व बच्चों की बीमारियों व अन्य रोगों से रक्षा की कामना की। रात्रि 12:00 बजे से पहले ही श्रद्धालु मंदिर में पहुंच गए तथा लंबी-लंबी कतारों में खड़े गए हो गए। जैसे रात्रि के 12:00 बजे लोगों ने मंदिर में जाकर मां शीतला का माथा टेकना शुरू कर दिया। जो दोपहर बाद तक जारी रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण आसपास के क्षेत्र में जाम की स्थिति भी बनी रही उल्लेखनीय है कि मां शीतला पर बासी भोजन बनाकर ही उसकी आराधना की जाती है तथा सुबह सवेरे ही बिना नहाए बिना स्नान किये जाकर महिलाएं पुरुष व बच्चे मां की आराधना करते हैं। दिलचस्प बात है कि सभी देवी देवताओं की आराधना के समय धूप व दीपक जलाए जाते हैं। परंतु मां शीतला के आगे धूप और दीप नहीं जलाए जाते। मंदिर के बाहर लगी अस्थाई दुकानों से बच्चों ने खिलौने खरीद कर खुशी बनाई। पंडित विनोद बजरंगी ने बताया कि मां शीतला का वर्णन स्कंद पुराण भविष्य पुराण सहित अनेको धार्मिक ग्रंथो में है ।सतयुग में भी ऋषि महर्षि व देवों ने अपने परिजनों की बीमारियों से रक्षा व उनकी खुशहाली के लिए मां शीतला की आराधना की थी। मां शीतला चेचक बुखार सहित अनेक बीमारियों से रक्षा करती है

हेल्पिंग हैंड संस्था के कार्यालय में श्रद्धालुओं को गीता के संदेश से किया जागरूक

पवित्र ग्रंथ गीता पूरे विश्व का गौरव बने, यही 'जीओ गीता' का प्रयास: ज्ञानानंद

पंचकूला ऑब्जर्वर

लाड़वा। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता पूरे विश्व का गौरव बने, यही 'जीओ गीता' अभियान का उद्देश्य है और इसी लक्ष्य को साकार करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

मंगलवार को स्वामी ज्ञानानंद महाराज लाड़वा में हेल्पिंग हैंड संस्था के प्रधान आर.डी. अरोड़ा के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं को गीता के संदेश और उसके महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर आर.डी. अरोड़ा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा फूलों की वर्षा कर सम्मानित किया। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को माध्यम बनाकर संपूर्ण मानवता को गीता का अमूल्य संदेश दिया। आज का विश्व तनाव और विषाद से ग्रस्त है और इन समस्याओं का समाधान गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने से ही संभव है। हेल्पिंग हैंड संस्था के प्रधान आर.डी. अरोड़ा ने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद महाराज का जीवन गाय और गीता की सेवा के लिए समर्पित है। उनकी प्रेरणा से श्री कृष्ण कृपा परिवार द्वारा गौशाला का संचालन किया जा रहा है। साथ ही गीता के प्रचार-प्रसार के लिए नगर में समय-समय पर धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि स्वामी ज्ञानानंद महाराज का सपना है कि हर घर में गीता का पाठ हो।

अवॉर्ड नहीं, जिम्मेदारी है : ऐश्वर्य ठाकरे

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए पहला अवॉर्ड सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उसके संघर्ष और सपनों की पहली बड़ी मंज़िल होता है। युवा अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के लिए भी यह पल कुछ ऐसा ही रहा, जब उन्होंने न्यूज़18 शोशा रील अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू मेल (जूरी चॉइस) का अवॉर्ड जीतकर अपने करियर की दमदार शुरुआत दर्ज की। उन्हें यह सम्मान निर्देशक अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए मिला। ऐश्वर्य ठाकरे ने जूरी सदस्यों का धन्यवाद किया, जिनमें प्रियदर्शन, अश्विनी अय्यर तिवारी, तन्वी आज़मी, सौरभ सचदेवा, श्रुति महाजन, महिमा चौधरी और तविशी पैटेंडी शामिल थे। अवॉर्ड मिलने के बाद ऐश्वर्य ने अपनी खुशी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए ट्रॉफी के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, "The very first. Thank you CNN Newsv}. Thank you to my family on Nishaanchi." इस पोस्ट पर फिल्मी जगत से भी उन्हें खूब बधाइयाँ मिलीं। अवॉर्ड स्वीकार करते समय ऐश्वर्य ने कहा, मेरे लिए अवॉर्ड सिर्फ सम्मान नहीं है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी है कि मैं और बेहतर काम करूं और बेहतर कहानियां दर्शकों तक पहुंचाऊं। उन्होंने अपने निर्देशक अनुराग कश्यप का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके साथ फिल्मी सफर की शुरुआत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। ऐश्वर्य ने अपने सह-कलाकारों वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा और विनीत कुमार सिंह का भी आभार व्यक्त किया। अपनी स्पीच के अंत में उन्होंने खुद की लिखी एक शायरी भी सुनाई—रास्ते मैं अपने बनाऊँगा, गलतियां मेरी अब न बढ़ाऊँगा, 'निशानची' में अपने दमदार अभिनय और इस प्रतिष्ठित सम्मान के साथ

ऐश्वर्य ठाकरे ने यह साफ कर दिया है कि वे सिर्फ एक नए अभिनेता नहीं, बल्कि आने वाले समय के मजबूत और संवेदनशील कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

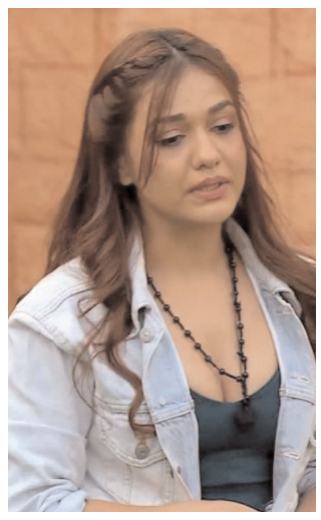

10 लड़के लेकर आएंगे, दिव्या अग्रवाल को मिल रही रेप की धमकी, पूर्व भाई के फैंस पर लगाया आरोप, भड़के एक्टर

दिव्या अग्रवाल ने हाल ही में दावा किया कि प्रिंस नरूला के फैंस की ओर से उन्हें लगातार रेप की धमकियां मिल रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगातार प्रिंस के फैन मैसेज कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं। अब इस मामले पर प्रिंस नरूला ने भी प्रतिक्रिया दी है। द 50 के दौरान दिव्या अग्रवाल लगातार चर्चा में बनी रहीं। शो के दौरान ही उनकी को-कंटेस्टेंट भव्या सिंह ने दिव्या अग्रवाल की निजी जिंदगी पर कुछ ऐसे कमेंट किए और दावा किया कि अभिनेत्री लंबे समय से अपने पति अपूर्वा पडगांवकर से अलग रह रही हैं। दिव्या की टीम ने भव्या सिंह के इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया और अभिनेत्री की आलोचना की। अब दिव्या अग्रवाल एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में दिव्या ने प्रिंस नरूला के फैंस के ऊपर गंभीर आरोप लगाए। एक्ट्रेस ने दावा किया कि प्रिंस के फैंस लगातार उन्हें रेप की धमकियां दे रहे हैं। ये सब प्रिंस नरूला के साथ द 50 के दौरान हुई बहस के बाद शुरू हुआ। अब प्रिंस नरूला ने भी दिव्या अग्रवाल के दावों पर प्रतिक्रिया दी है। दिव्या अग्रवाल ने 10 मार्च को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना एक वीडियो

शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने पूर्व-भाई प्रिंस नरूला के फैंस को निशाने पर लिया। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा- हाल ही में मुझे अपने पूर्व भाई (प्रिंस नरूला) के प्रशंसकों से बहुत नफरत मिल रही है। मुझे बलात्कार की धमकियां मिल रही हैं। हेट की प्रॉब्लम नहीं है, लेकिन रेप की धमकी। हमको पता है तू कहां रहती है... 10 लड़के लेकर आएंगे... रेप करेंगे, वीडियो बनाएंगे। तुम यही सब डिजर्व करती हो। इसी के साथ दिव्या ने प्रिंस नरूला का नाम लिए बिना उन पर शो के एपिसोड पर प्रतिक्रिया देकर ऑनलाइन हेट फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक्टर का नाम लिए बिना कहा कि वह एपिसोड देखते हैं और फिर उन पर कमेंट करते हुए कहते हैं- आज का एपिसोड बहुत मजेदार था। दिव्या ने प्रिंस को सेल्फ सेंटर्ड बताया और दावा किया कि वह अपने फैंस को उनके खिलाफ भड़का रहे हैं। प्रिंस नरूला भी दिव्या को जवाब देने से पीछे नहीं रहे। उन्होंने ञ्जद्धद्ग 50 के एक एपिसोड की क्लिप शेयर की। वीडियो में दिव्या, उन्हें टोकते हुए पैलेस के अंदर प्रतियोगियों पर हावी न होने के लिए कहती हुई नजर आ रही हैं। इसी बात का हवाला देते हुए प्रिंस ने स्पष्ट करने की कोशिश की कि उन्होंने खेल के दौरान किसी को भी अपने निर्देशों का पालन करने के लिए मजबूर नहीं किया। क्लिप में सपना चौधरी को भी पूरी परिस्थिति के बारे में बात करते देखा जा सकता है। सपना के अनुसार, एक बार प्रिंस ने उन्हें एक कंटेस्टेंट के खिलाफ वोट देने का सुझाव दिया था, लेकिन जब उन्होंने इनकार कर दिया तो प्रिंस ने उन पर दवाब नहीं डाला। सपना की बात को प्रिंस ने सबूत के तौर पर पेश किया और कहा कि उन्होंने कभी भी अन्य प्रतिभागियों के फैसलों को नियंत्रित नहीं किया। एक अन्य वीडियो शेयर करते हुए प्रिंस ने लिखा- जो लोग ये बोल रहे हैं ना कि आपके पास इतना टाइम है एपिसोड देखने का तो बहन आप शो तो नहीं देख रहे थे। तो पांच एपिसोड आए थे, तब तक आप बिना देखे कैसे गेस कर लिया? क्योंकि, आप तो शो नहीं देखते, आप एक सेलिब्रिटी हैं और हमने जिन जिन को प्रॉमिस किया है वो सब नहीं हैं। बस फर्क बस इतना है कि आप लोगो के लिए शो रिश्तों से बढ़कर था, कोई बात नहीं और हां मैंने डोमिनेट किया है पर शो को, आपको नहीं। गॉड ब्लेस यू। प्रिंस नरूला का ये जवाब तुरंत वायरल हो गया और कई प्रशंसक और रियलिटी टीवी के अन्य कलाकारों की ओर से रिएक्शन आने शुरू हो गए। रोडिज ङ्ग4 की फाइनलिस्ट नवी अरोरा भी प्रिंस का समर्थन करने वालों में दिखाई दीं, जिन्होंने पब्लिकली उनका समर्थन किया और दिव्या के दावों को लेकर उनकी आलोचना की। नवी ने कहा कि दिव्या लगातार अपना बचाव करते-करते थक गई हैं और इसी के साथ दावा किया कि वह निगेटिव होती जा रही हैं।

जब पूनम पांडे ने डिजिटल दुनिया में मचाया था तहलका, गूगल ने किया था बैन

बॉलीवुड और सोशल मीडिया की दुनिया में कुछ नाम ऐसे हैं जो अपने बोल्ड अंदाज और विवादों के कारण हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। पूनम पांडे भी ऐसे ही नामों में शामिल हैं। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों तक, और सोशल मीडिया से लेकर डिजिटल कंटेंट तक, पूनम ने हमेशा लोगों का ध्यान खींचा। एक बार तो नौबत यहां तक आ गई थी कि गूगल ने उन्हें बैन तक कर दिया था। पूनम पांडे का जन्म 11 मार्च 1991 को कानपुर में एक साधारण परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली से पूरी की और 18 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके बोल्ड फोटोशूट्स ने उन्हें जल्दी ही लोकप्रिय बना दिया। 2010 में ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगा मॉडल प्रतियोगिता में वह टॉप 9 में शामिल हुईं। इसके बाद उन्होंने कई कैलेंडर और फोटोशूट्स में काम किया, जिसमें 2012 का किंगफिशर कैलेंडर सबसे खास रहा। 2011 में पूनम पांडे अचानक सुर्खियों में तब आ गईं, जब उन्होंने कहा कि अगर भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप जीतती है तो वह न्यूड हो जाएंगी। मॉडलिंग और विवादों के बीच पूनम ने बॉलीवुड में भी कदम रखा। उन्होंने 2013 में फिल्म नशा से डेब्यू किया। इस फिल्म में पूनम ने एक स्कूल टीचर का रोल निभाया, जिसमें बोल्ड सीन भी शामिल थे। फिल्म का पोस्टर जब रिलीज हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन हुए और कुछ पोस्टर जला दिए गए। इसके बाद उन्होंने मालिनी एंड कंपनी, द जर्नी ऑफ कर्मा, लव इज पॉइजन, और आ गया हीरो जैसी फिल्मों में भी काम किया। टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में भी पूनम ने अपनी पहचान बनाई। उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 4 और लॉकअप में हिस्सा लिया। साथ ही, टोटल नादानियां और प्यार मोहब्बत श्श्श जैसे शोज में भी काम किया। 2017 में पूनम पांडे ने अपने नाम का मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इस ऐप में उनका बोल्ड और एडल्ट कंटेंट था। यह ऐप जल्दी ही विवादों में घिर गया। गूगल ने इसे सिर्फ एक घंटे में ही प्ले स्टोर से हटा दिया, यह कहते हुए कि ऐप में ऐसा कंटेंट था जो उनकी पॉलिसी के खिलाफ था। इस घटना ने फिर से पूनम को सुर्खियों में ला दिया और लोगों का ध्यान खींचा। पर्सनल लाइफ की बात करें तो पूनम ने 2020 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से शादी की, लेकिन शादी के 11 दिन बाद उन्होंने अपने पति के खिलाफ धमकी और हमला करने का आरोप लगाया। गोवा पुलिस ने सैम को गिरफ्तार किया, लेकिन बाद में दोनों ने विवाद सुलझा लिया। इसके बाद भी पूनम विवादों से कभी दूर नहीं रहीं। साल 2024 में उन्होंने सर्वाइकल कैंसर से अपनी मौत की झूठी खबर फैलाई, जिससे लोगों में बीमारी के प्रति जागरुकता फैल सके। हालांकि इसके लिए उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा।

पुरुष की सफलता में महिलाओं का आशीर्वाद जरूरी, गोविंदा का पुराना इंटरव्यू वायरल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा बटोरते थे और आज वह अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने साल 1987 में सुनीता आहूजा से शादी की थी, लेकिन अब वह इसी रिश्ते को लेकर सवालों के घेरे में हैं। कभी तलाक की खबरें सामने आती हैं, तो कभी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की अफवाहें जोर पकड़ने लगती हैं। इन सबके बीच गोविंदा का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह पुरुषों की जिंदगी में महिलाओं की अहमियत पर बात करते नजर आ रहे हैं। इस बातचीत में उन्होंने अपनी मां की सीख को याद करते हुए बताया कि किसी भी पुरुष की सफलता में महिलाओं का आशीर्वाद बहुत मायने रखता है।

यह बातचीत उन्होंने लहरें टीवी को दिए एक इंटरव्यू में की थी। इस दौरान गोविंदा कहते हैं, मेरा मानना है कि हर पुरुष को अपनी जिंदगी में मौजूद महिलाओं को खुश रखने की कोशिश करनी चाहिए। महिलाओं का आशीर्वाद किसी भी आदमी की जिंदगी को बेहतर बना सकता है। जब किसी व्यक्ति को महिलाओं का समर्थन और दुआ मिलती है, तो उसकी सफलता की राह और भी आसान हो जाती है। गोविंदा ने कहा, मेरी मां हमेशा कहती थीं कि महिलाएं बहुत शक्तिशाली होती हैं और उनके बिना पुरुष कमजोर हो जाता है। भगवान शिव भी तब तक पूर्ण नहीं माने जाते जब तक उनके साथ देवी शक्ति का साथ न हो। स्त्री और पुरुष दोनों एक-दूसरे के पूरक होते हैं और दोनों का साथ जीवन को संतुलित बनाता है। अभिनेता ने आगे कहा, अगर कोई पुरुष अपनी जिंदगी में महिलाओं का सम्मान करता है और उनका आशीर्वाद लेकर आगे बढ़ता है तो उसकी सफलता बढ़ जाती है। यह बात सिर्फ पत्नी तक सीमित नहीं है, बल्कि मां, बेटी, दोस्त या किसी परिचित महिला के रूप में भी महिलाओं का सम्मान और आशीर्वाद बेहद जरूरी होता है। इस बातचीत के दौरान गोविंदा ने खुद को मां का लाड़ला बेटा बताया। उन्होंने कहा, जीवन के शुरुआती दिनों में मेरा सबसे बड़ा सपना अपनी मां के लिए एक सफल बेटा बनना था।

दुनिया में हो रहे संघर्ष चुने हुए नेताओं की नीतियों का नतीजा : प्रकाश झा

मुंबई सत्याग्रह, राजनीति, गंगाजल, जय गंगाजल और आरक्षण जैसी गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा ने कलाकार की जिम्मेदारी के साथ ही देश-दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की। प्रकाश झा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'संकल्प' को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी निर्माता उनकी बेटी दिशा झा हैं। यह सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस बीच प्रकाश झा ने इराक-इजरायल सहित दुनिया के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य लोगों द्वारा चुने गए नेताओं का परिणाम है, जो अपनी नीतियों से समाज की दिशा तय करते हैं। प्रकाश झा ने कहा, यह एक रोचक समय है। लोग ऐसे नेता चुन रहे हैं जिनका दौर, विचार, राजनीति और नेतृत्व शैली सब अलग है। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि मैंने दुनिया को बदलते देखा है और इसके पीछे के सिस्टम को समझने की कोशिश की है। प्रकाश झा की फिल्में अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित होती हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक माहौल में एक कलाकार के रूप में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रकाश झा ने बताया, मेरा काम है कि दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसे कहानियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना और साझा करना। यही इसका मजेदार हिस्सा है। मैंने इसका आनंद लिया है और आगे भी लेता रहूंगा। मेरा स्पष्ट मानना है कि मैं समय नहीं बदल सकता। हमें समय के साथ बदलना पड़ता है। यही

सत्य है। इसलिए मैं दुनिया में इन चीजों से प्रभावित होता हूं। फिल्ममेकर ने आगे कहा, जब आप दया, विनम्रता और मानवता देखते हैं, तो विश्वास जागता है, लेकिन तबाही, मौत, पीड़ा और दर्द देखकर दुख होता है। यह जीवन का हिस्सा है और आपको समझना होगा कि आप इन समस्याओं को बहुत हद तक कम कर सकते हैं, बशर्ते घटनाओं के कारणों को समझकर उन्हें सही तरीके से बता सकें। यही प्रयास है, लेकिन मैं समाज और समय के साथ हूं और ईमानदारी से जीने की कोशिश कर रहा हूं। प्रकाश झा ने वैश्विक संघर्षों पर चिंता जताते हुए कहा कि ये सब चुने गए नेताओं की नीतियों का नतीजा हैं। उन्होंने जोर दिया कि कलाकार का दायित्व है कि वह इन मुद्दों को अपनी कला के जरिए उजागर करे, ताकि लोग जागरूक हों।

निकिता दत्ता ने ऋषिकेश में ट्रेकिंग के लिए परिवार के साथ जाने की दी सलाह

वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम कर मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निकिता दत्ता हाल ही में उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रोमांचक ट्रेकिंग ट्रिप पर गई थीं। वहां पर उन्होंने ट्रेकिंग और खूबसूरत वादियों का जमकर आनंद लिया। अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की कुछ झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। वीडियो में वे ऋषिकेश के मनमोहक नजारों में ट्रेकिंग करती नजर आ रही हैं। निकिता ने आरामदायक ट्रेकिंग कपड़े पहने हैं। वे शांत और रिलैक्स अंदाज में पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता को एक्सप्लोर करती हुईं और बीच-बीच में आराम भी करती नजर आईं। वहीं, पोस्ट में उन्होंने सभी से परिवार के साथ ट्रेकिंग करने की सलाह दी, ताकि माता-पिता या घरवाले चिंता न करें और सब मिलकर मजा ले सकें। उन्होंने लिखा, प्रो टिप- जब आप एडवेंचर करना चाहें तो घरवालों को परेशान न करने का एक ही तरीका है। उन्हें साथ ले जाएं। अगर आप ऋषिकेश में हैं तो सिंगटाली हाइक जरूर करें, मैं इसकी सराहना करती हूं।

बता दें कि भले ही आज के समय में निकिता सिनेमा में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने करियर की शुरुआत टेलीविजन इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2014 में लेकर हम दीवाना दिल फिल्म से डेब्यू किया। टीवी की दुनिया में उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल से शुरुआत की और 2016 में एक दूजे के वास्ते से पहचान बनाई।

बाद में उन्होंने गोल्ड (2018), कबीर सिंह (2019), द बिग बुल, और डिब्बुक (2021) जैसी फिल्मों में काम किया। वह वेब सीरीज खाकी - द बिहार चैप्टर (2022) में भी नजर आईं। निकिता दत्ता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं।

उन्होंने हाल ही में घरत गणपति में शानदार काम किया था, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था।

रीढ़ की हड्डी को लचीला और मन को शांत बनाता है मारीच्यासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग तनाव, कमर दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं। ऐसे में योग एक आसान और कारगर तरीका है, जो शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। इसी कड़ी में %मारीच्यासन% एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली होने समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात मिलता है। मारीच्यासन को %मारीचि% ऋषि के नाम पर जाना जाता है। %मारीच्यासन% शब्द संस्कृत से बना है। इसमें %मारीच% का अर्थ प्रकाश की किरण (सूर्य या चंद्रमा की किरण) होता है और %आसन% का अर्थ बैठने की %मुद्रा% या फिर योग की स्थिति होती है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से यह आसन कंधों, कमर, गर्दन और पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है। साथ ही पाचन तंत्र पर भी सकारात्मक असर डालता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मारीच्यासन मेरुदंड (रीढ़ की हड्डी) में लचीलापन बढ़ाने, पाचन क्रिया में सुधार करने और मधुमेह के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी योगासन है। यह आसन शरीर में कार्य क्षमता को पुनर्जीवित करता है।

इसके नियमित अभ्यास से रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) बेहतर होता है, तनाव कम होता है और पेट के कई अंग सक्रिय होते हैं, जैसे लिवर, किडनी, प्लीहा, पेट, अग्न्याशय, छोटी आंत, पित्ताशय और प्रजनन तंत्र। इसे करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं।

शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें। नियमित योग से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती

है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। वहीं, सही तरीके से सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना इस आसन का सबसे बड़ा रहस्य है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com